बी.ए. तृतीय वर्ष

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति तथा पुरातत्व

प्रथम : प्रश्न–पत्र

B.A. Part III Paper I

भारतीय वास्तु तथा कला के मूल तत्व (पेपर कोड 0266)

Elements of Ancient Indian Architecture and Art

पूर्णांक : 50

इकाई– 1 हड़प्पा कालीन वास्तु, मौर्य कालीन वास्तु, स्तूप वास्तु (सांची, भरहुत तथा अमरावती), पश्चिमी भारत के चैत्यगृह तथा विहार– भाजा, कालें, कोण्डाने, अजंता और एलोरा।
(Architecture of Harappan period, Mauryan period; Stupa Architecture (Sanchi, Bharhut and Amravati), Chaityas and Viharas of Western India (Bhaja, Karle, Konden, Ajanta and Ellora)

इकाई– 2 मंदिर वास्तु का उद्‌भव एवं विकास, मंदिर वास्तु की विभिन्न शैली–नागर, बेसर एवं द्रविड़।
(Origin and development of Temple Architecture, Various Styles of Temple Architecture – Nagara, Vessara & Dravida)

इकाई– 3 मूर्तिकला–हड़प्पा कालीन, मौर्यकालीन, शुंभकालीन, कुषाण कालीन (गांधार एवं मथुरा)।
(Iconography – Harappa period, Mauryan period, Shunga period, Kushana period (Gandhara & Mathura)

इकाई– 4 प्राचीन भारत में मूर्ति पूजा का उद्‌भव एवं विकास (विष्णु, शिव, बौद्ध एवं जैन प्रतिमा के विशेष संदर्भ में)।
(Origin and development of idol worship in Ancient India, with special reference to Vishnu, Shiva, Jaina & Buddhist sculptures)

इकाई– 5 प्रागैतिहासिक चित्रकला, सिघंनपुर की चित्रकला, काबरा पहाड़ एवं अंजता और बाघ की चित्रकला।
(Pre-historic paintings, Painting of Singhanpur and Kabrapahar, Ajanta & Bagh Paintings)

अनुशंशित ग्रंथ :

1. वासुदेव शरण अग्रवाल – भारतीय कला भाग–1
2. रामनाथ मिश्र – भारतीय मूर्तिकला
3. कृष्णदत्त बाजपेयी – भारतीय वास्तुकला का इतिहास
4. वासुदेव उपाध्याय – प्राचीन भारतीय स्तूप, गुहा एवं मंदिर
5. कृष्णदत्त बाजपेयी एवं संतोष कुमार बाजपेयी – भारतीय कला
6. सच्चिदानंद पांडेय – मंदिर स्थापत्य का इतिहास
7. जयनारायण पांडेय – भारतीय कला
8. मारूतिनंदन प्रसाद तिवारी तथा कमल गिरी – भारतीय प्रतिमा विज्ञान
9. ए.एल. श्रीवास्तव – भारतीय कला
10. A.. Coomarswami - History of Indian and Indonesian Art
11. Percy Brown - Indian Architecture, Vol. I
12. Krishnadeva - Temples of North India
13. S.Kramrisch - Hindu Temple Part I & II

बी.ए. तृतीय वर्ष

द्वितीय : प्रश्न–पत्र (अ)

B.A. Part III Paper II (A)

भारतीय पुरातत्व के मूलतत्व (पेपर कोड 0267)

Elements of Indian Archaeology

पूर्णांक : 50

इकाई– 1 पुरातत्व विज्ञान की परिभाषा, विस्तार क्षेत्र का अध्ययन, अन्य विषयों से संबंध।
(Definition, extent and relationship of Archaeology with other branches of Studies)

इकाई– 2 भारत में पुरातत्व का इतिहास, प्राचीन स्थलों की खोज एवं तिथि निर्धारण।
(History of Indian Archaeology, Discovery of Ancient Sites and Dating Methods)

इकाई– 3 उत्खनन–विधियॉ, सर्वेक्षण, स्तर विन्यास, उत्खनन का लेखा–जोखा।
(Methods of Excavation, Survey, Stratification, Documentation of excavation)

इकाई– 4 भृदभाण्ड, गैरिक भृदभाण्ड, चित्रित धूसर भृदभाण्ड, काले और लाल भृदभाण्ड, उत्तरी कृष्ण मर्जित भृदभाण्ड (एन.वी.पी.)।
(Pottery: Ochre Coloured Pottery (O.C.P.), Painted Grey Ware (P.G.W.), Black & Red Ware (B.R.W.), Northern Black Polished Ware (N.B.P.W.)

इकाई– 5 प्रमुख पुरास्थलों का अध्ययन–
कालीबंगा, एरण, कौशाम्बी, हस्तिनापुर, ब्रह्यगिरी, सिरपुर, मल्हार।
(Important Archaeological sites: Kalibangan, Eran, Koshambi, Hastinapur, Brahmgiri, Sirpur, Malhar)

अनुशंशित ग्रंथ :

1. के.डी. बाजपेयी – मध्यप्रदेश का पुरातत्व
2. आर.एम. व्हीलर – पृथ्वी से पुरातत्व
3. बी.एन.पुरी – पुरातत्व विज्ञान
4. जयनारायण पाण्डेय – पुरातत्व विमर्श
5. राकेश प्रकाश पाण्डेय – पुरातत्व विज्ञान
6. मदन मोहन सिंह – पुरातत्व की रूपरेखा

''अथवा''

बी.ए. तृतीय वर्ष

द्वितीय : प्रश्न–पत्र (ब)

B.A. Part III Paper II (B)

(ब) पुराभिलेख एवं मुद्राशास्त्र के मूल तत्व (पेपर कोड 0268)

Elements of Palaeography and Numismatics

पूर्णांक : 50

इकाई– 1 (1) प्राचीन भारतीय इतिहास की पुनर्रचना में अभिलेखों का महत्व।
(Significance of Epigraphy for writing Ancient Indian History)
(2) लेखन कला का उद्‌भव एवं विकास।
(Origin and development of writing skill)
(3) अभिलेखों में प्रयुक्त भाषायें, लिपियॉ तथा सामग्री।
(Languages, Scripts and materials used for Inscriptions)

इकाई– 2 निम्नलिखित अभिलेखों का ऐतिहासिक महत्व : (Historic significance of the following Inscription)
(1) अशोक का द्वितीय शिलालेख। (2^{nd} rock edict of Ashoka)
(2) अशोक का बारहवां शिलालेख। (12^{th} rock edict of Ashoka)
(3) हेलियोडोरस का बेसनगर स्तम्भलेख। (Besnagar Pillar Inscription of Heliodorus)
(4) गौतमी पुत्र सातकर्णी का नासिक अभिलेख। (Nasik Inscription of Gautamiputra Satkarni)
(5) खारवेल का हाथिगुफा अभिलेख। (Hanthigumpha Inscription of Kharvela)
(6) रूद्र दामन का जूनागढ़ (Junagarh Inscription of Rudradaman)

इकाई– 3 (1) समुद्र गुप्त का प्रयाग प्रशस्ति अभिलेख। (Allahabad Pillar Inscription of Samudragupta)
(2) पुलकेशिन द्वितीय का एहोल लेख। (Aihole Inscription of Pulakeshin – II)
(3) हर्ष का बांसखेड़ा अभिलेख। (Banskhera Inscription of Harsha)
(4) महारानी वासटा का लक्ष्मण मंदिर अभिलेख। (Lakshman temple Inscription of Queen Vasta)
(5) जाजल्ल देव प्रथम का रतनपुर अभिलेख। (Ratanpur Inscription of Jajalladeva)

इकाई– 4 इतिहास की पुनर्रचान में मुद्रा का महत्व, मुदा का उद्‌भव एवं प्राचीनता, मुद्रा निर्माण तकनीक तथा आहत सिक्के ।
(Significance of Numismatics for writing Ancient Indian History, Origin and antiquity of Coins, Minting Techniques of Coins, Punch-Marked Coins)

इकाई– 5 कुषाण कालीन सिक्के, जनपदीय सिक्के (तक्षशिला, कौशाम्बी, एरण), गुप्त कालीन मुद्रायें, समुद्र गुप्त, चन्द्रगुप्त द्वितीय, एवं कुमारगुप्त की स्वर्ण रजत एवं ताम्र मुद्राये स्थानीय मुद्राये शरभपुरीय, नलवंशीय एवं कलचुरी राजवंश।
Kushana Coins, Janpada Coins (Taxila, Kaushambi, Eran), Gupta coins, Gold, Silver and Copper coins of Samudragupta, Chandragupta-II and Kumaragupta; Regional coins: Sharabhpuriya, Nala, Kalachuri)

अनुशंशित ग्रंथ :

1. डी.सी.सरकार – इंडियन एपिग्राफी
2. डी.सी.सरकार – सेलेक्ट इन्सक्रिप्शन्स भाग 1 व 2
3. एस.एच.दानी – इंडियन पैलियोग्राफी
4. वासुदेव बाजपेयी – प्राचीन भारतीय अभिलेखों का अध्यय
5. कृष्णदत्त बाजपेयी, कन्हैयालाल अग्रवाल संतोष कुमार बाजपेयी –ऐतिहासिक भारतीय अभिलेख
6. परमेश्वरी लाल गुप्ता – प्राचीन भारतीय मुद्राऍ
7. डी.सी.सरकार – स्टडीज एवं इंडियन क्वाएन्स
8. ए.के.शरण – ट्राइबल क्वाएन्स
9. भास्कर चट्‌टोपाध्याय – द एज ऑफ दि कुषाणजःए न्यूमिस्मेटिक स्टडी
10. ए.एस. अल्तेकर – गुप्तकालीन मुद्राऍ
11. राजवंत राव – प्राचीन भारतीय मुद्राऍ

प्रायोगिक तथा मौखिक परीक्षा

पूर्णांक – 50

1. किसी महत्वपूर्ण पुरातात्विक/ऐतिहासिक स्थान का भ्रमण एवं विवरण प्रस्तुति – 20 अंक
2. पुरावस्तुओं की पहचान – 20 अंक
3. मौखिकी – 10 अंक

योग – 50 अंक

(डॉ. दिनेश नंदिनी परिहार)	(डॉ. अनुप परसाई)	(डॉ. नितेश कुमार मिश्र)
अध्यक्ष	सदस्य	सदस्य
केन्द्रीय अध्ययन मंड़ल	केन्द्रीय अध्ययन मंड़ल	केन्द्रीय अध्ययन मंड़ल